BA-III (H)
मैथिली प्रतिष्ठा
दिनांक - 06/04/21

प्रो० संजीत कुमार राम
(अतिथि सहायक प्राध्यापक)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (Bihar)

Lec- 1

पुरुषपरीक्षाक परिचय:

एकर रचना महाकवि विद्यापति संस्कृत भाषा मे लोकानुरंजन आ ज्ञानक वृद्धि लेल कएने छलाह। ओहि रचना कें कविवर यथावत मैथिली मे अनुवाद कएल गेल। एहि अनुवादक महत्व दू कारण सँ अधिक भए जाइत अछि पहिल तँ एकरा द्वारा अनुवादक प्रवाहक श्री गणेश भेल अछि। दोसर पं० चन्द्र झा जनिका कहल जाइत छनि - मैथिली साहित्यक आधुनिक युगक प्रणेता भेलाह कवीश्वर चन्दा झा मैथिली साहित्य कें भाव-भाषा-छन्द इत्यादिक प्राचीन परिपाटी सँ हटि अभिनव दिशा प्रदान कएलनि ओहि क्रम मे गद्यक रचना कें सेहो नवीन उत्स प्रदान कएलनि। उन्नैसम शताब्दीक तेसर चरण मे विद्यापति कृत पुरुष परीक्षाक गद्य-पद्य मय अनुवाद ओ कविक परिचय गद्यमय लेखन द्वारा आधुनिक मैथिली गद्य साहित्यक आरम्भ आपातत: एही क्रम सँ मानल जाइत अछि। मैथिली भाषाक आधुनिक स्वरूप जेहन प्रयोग हुनक पद्य मे दृष्टिगत होइत अछि तेहन गद्य मे नहि। एकर कारण भए सकैछ जे हुनका समक्ष व्याकरण, गद्यशैली वा परिमार्जनीय गद्यक कोनो साहित्यिक आदर्श मे नहि छलनि।

Sanjeet
06/04/21

Scanned by TapScanner